

## अनुक्रमणिका

### □ पुरोचना

- |  |                            |    |
|--|----------------------------|----|
| 1. राजस्थाने संस्कृत-काव्यधारा<br>(विंशी शताब्दी)  | देवर्षि कलानाथ शास्त्री    | 1  |
| 2. राजस्थानस्थिता महाराष्ट्रीयाः ब्रह्मभारती-डॉ. श्रीधरशास्त्री वर्णेकरः<br>संस्कृतोपासकाः |                            | 10 |
| 3. कविवर गिरिधर शर्मा नवरत्नस्य<br>काव्यरत्नानि  | डॉ. मूलचन्द्र पाठकः        | 16 |
| 4. गिरिधरशर्म नवरत्नानामप्रकाशिताः<br>पाण्डुलिपयः  | रमेशचन्द्र वर्मा           | 33 |
| 5. कवि पञ्चानन पं० कुञ्जविहारी शर्मा   | मोहनलाल शर्मा              | 38 |
| 6. म० म० श्री गिरिधरशर्म चतुर्वेदाः  | डॉ. शिवदत्तशर्मा चतुर्वेदः | 40 |
| 7. आशुकवीनां श्री नित्यानन्द शर्मणां<br>ज्ञानवैशारद्यम्                                    | डॉ. ठाकुरदत्त जोशी         | 54 |

8. मट्टु मथुरानाथ शास्त्रिणः साहित्य साधना	डॉ. गङ्गाधर भट्टः	66
9. पण्डितरामचन्द्रभट्टमहाभागाः तेषां संस्कृत-समाराधनं च ।	डॉ. गङ्गाधर भट्टः	79
10. श्री रामचन्द्रभट्ट महाभागानां व्यक्तित्वं कर्तृत्वञ्च	डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा	91
11. आशुकविः पं० श्रीहरिशास्त्री, जीवनं कर्तृत्वञ्च	डॉ. प्रेमाशङ्कर शर्मा	96
12. प. गिरिधर शास्त्रिणो जीवनं साहित्य- साधना च	पं. बालकृष्ण व्यास	112
13. कविकिङ्करभट्ट श्री गिरिधारिलालशर्मणां व्यक्तित्वं कवित्वञ्च	डॉ. नरेश चन्द्र पाठकः	119
14. श्रुतर्षिभ्यो नमो गुरुभ्यः	डॉ. शिवसागर त्रिपाठी	133